Fillerform Live NTA UGC NET 2022

हिन्दी साहित्य

Miss Jyoti

8209837844

www.ugc-net.com

UGC NTA NET (हिन्दी साहित्य)

(पाश्चात्य काव्यशास्त्र)

"फन्तासी"

Daily
12:00PM

ईकाई-3 भाग-25

By Miss Jyoti
(Hindi Educator)

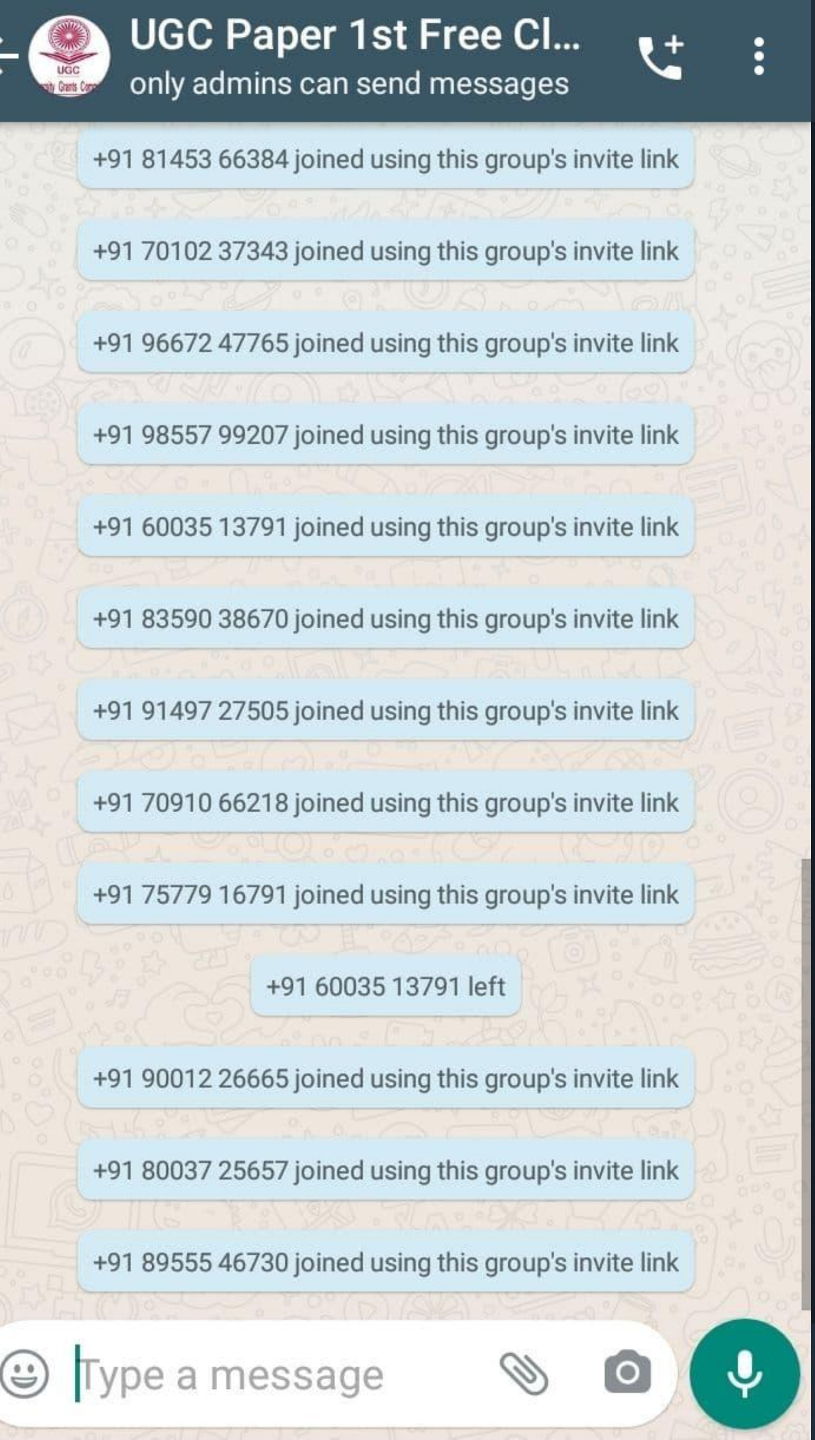
UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages
+91 81453 66384 joined using this group's invite link
+91 70102 37343 joined using this group's invite link
+91 96672 47765 joined using this group's invite link
+91 98557 99207 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 joined using this group's invite link
+91 83590 38670 joined using this group's invite link
+91 91497 27505 joined using this group's invite link
+91 70910 66218 joined using this group's invite link
+91 75779 16791 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 left
+91 90012 26665 joined using this group's invite link
+91 80037 25657 joined using this group's invite link
+91 89555 46730 joined using this group's invite link
Type a message

UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers
December 28
Channel created
Channel photo changed
UGC
Broadcast

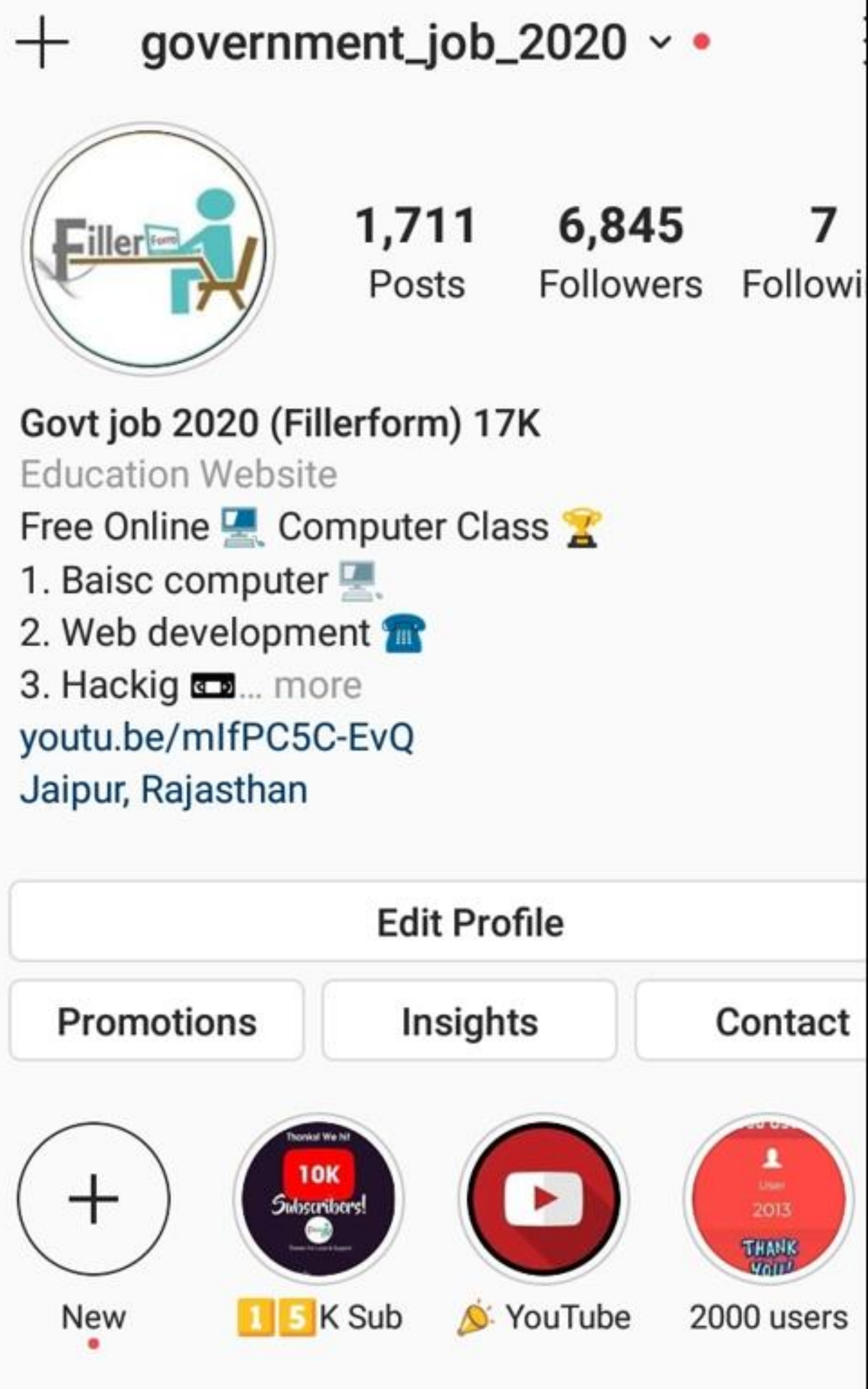
government_job_2020
1,711
Posts
6,845
Followers
7
Followi
Govt job 2020 (Fillerform) 17K
Education Website
Free Online Computer Class
1. Baisc computer
2. Web development
3. Hackig ... more
youtu.be/mIfPC5C-EvQ
Jaipur, Rajasthan
Edit Profile
Promotions
Insights
Contact
New
15K Sub
YouTube
2000 users

UGC-NET 2022

09:00 AM
Current GK

11:00 AM
1st Paper

02:00 PM
1st Paper

12:00 PM
Hindi-2nd paper

01:00 PM
History-2nd paper

03:00 PM
Commerce – 2nd

09:00 PM
Management

January
10

fillerform 8209837844 www.ugc-net.com

UGC-NET 2022

Online Live Class — 12:00 PM — Hindi-2nd paper

Online Live Class — 01:00 PM — History-2nd paper

Online Live Class — 03:00 PM — Commerce – 2nd

Online Live Class — 04:00 PM — Political sciences

Online Live Class — 06:00 PM — Sanskrti

Online Live Class — 08:00 PM — Computer Sce.

Online Live Class — 09:00 PM — Management

JANUARY 17

fillerform 8209837844 www.ugc-net.com

UGC NET 100% Off Free Class

- Free Notes
- Live Class
- 5000+MCQ+PYQ
- Free Books

100% OFF

fillerform

8209837844
www.ugc-net.com

हिन्दी सिलेबस

इकाई – III

साहित्यशास्त्र

काव्य के लक्षण, काव्य हेतु और काव्य प्रयोजन।
प्रमुख संप्रदाय और सिद्धान्त – रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति और औचित्य।
रस निष्पत्ति, साधारणीकरण।
शब्दशक्ति, काव्यगुण, काव्य दोष
प्लेटो के काव्य सिद्धान्त।
अरस्तू : अनुकरण सिद्धान्त, त्रासदी विवेचन, विरेचन सिद्धान्त।
वड्सवर्थ का काव्यभाषा सिद्धान्त।
कॉलरिज : कल्पना और फैंटेसी।
टी.एस.इलिएट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, परम्परा की अवधारणा।
आई.ए.रिचड्र्स : मूल्य सिद्धान्त, संप्रेषण सिद्धान्त तथा काव्य-भाषा सिद्धान्त। रूसी रुपवाद।
नयी समीक्षा। मिथक, फन्तासी, कल्पना, प्रतीक, बिम्ब।

8209837844
www.ugc-net.com

फन्तासी

8209837844

www.ugc-net.com

फन्तासी

*साहित्य विधा के रूप में फंतासी का प्रयोग अति आधुनकि है।
*फंतासी या फैंटेसी शब्द फ़्रांसिसी,स्पेनी,पुर्तग़ाली,इतालवी,जर्मन व लातीनी भाषाओ में मिलता है।
*अंग्रेजी में फ़्रांसिसी शब्द का चलन बाद में हुआ।
*साहित्य शास्त्र में फैंटेसी(फंतासी) शब्द एक अंग्रेजी शब्द है।जो यूनानी शब्द फेंटेंसिया से निर्मित है जिसका अर्थ है मनुष्य की क्षमता जो संभाव्य संसार की सर्जना/रचना करती है।

*फंतासी एक मानसिक प्रक्रिया है।यह इन्द्रिय-जनित् तथा कल्पना जनित आंतरिक शक्ति है।

*फेंटेसी एक ऐसी कहानी है जिसमे ऐसी घटनाएं घटती है जिनके बारे में हम सोचते है की ऐसी घटनायें वास्तविक जीवन मे नही घट सकती।फेंटेसी में ऐसे जीव आ जा सकते है जो कि वास्तविक जीवन मे नही हो सकते।

*एलियन की कहानियां,टारजन की कहानी,एलिस इन वंडरलैंड आदि फंतासी के ही उदहारण है।

*फंतासी सजीव कल्पना,दिवास्वपन और विभ्रम का संसार है।

*फंतासी एक साहित्यिक या नाटकीय कृति है जो बहुत ही कल्पनात्मक व अप्राकृतिक तत्वों से अभिभूत होती है।

8209837844

हिन्दी साहित्य में फंतासी

*हिन्दी साहित्य में मुक्तिबोध ही एक अकेले साहित्यकार है जिन्होंने फंतासी साहित्य पक्ष को समृद्ध करने करने के अतिरिक्त सैद्धान्तिक पक्ष को निश्चित आधार दिया है।

*मुक्तिबोध का फंतासी सिद्धांत सोद्देश्यता लिए हुए है।वह किसी भी कलाकृति को सामाजिक बिम्ब के रूप में देखते है।फंतासी रचना भी उसी प्रकार समाज के लिए है जिस प्रकार दूसरी रचनाएँ।कला कला के लिए है

*मुक्तिबोध पहले समीक्षक है ,जिन्होंने कामायनी को फंतासी के रूप में देखा।

8209837844

*मुक्तिबोध के अनुसार फंतासी कला के तीन ऋण है:-

प्रथम ऋण:- कला का पहला क्षण है जीवन का तीव्र अनुभव।

दूसरा ऋण:-इस अनुभव का अपने कसकते दुखते हुए मूलो से पृथक हो जाना और एक ऐसी फेंटेंसी का रूप धारण कर लेनामानो वह फेंटेंसी अपने ऑखो के सामने खड़ी हो।

तीसरा ऋण:-उस फेंटेसी के शब्द बध्द होने की प्रक्रिया का आरंभ और उस प्रक्रिया की परिपूर्णवस्था तक कि गतिमानता।

*मुक्तिबोध तीसरे ऋण को पुर्ण क्षण मानते है। यह दीर्घ क्षण है और उस क्षण में सृजन प्रक्रिया जोरो से गतिमान होती है।

*कलाकार जब दूसरे क्षण को भाग लेने के बाद उसे जब चित्रित करने या शब्दबद्ध करने लगता है वही से तीसरा क्षण आरम्भ हो जाता है।

*उदाहरण:- मुक्तिबोध की रचनाएँ 'ब्रह्मराक्षस' और 'अंधेरे में।

फंतासी की विशेषताएँ

1)**गतिशीलता**:-फंतासी डायनेमिक होती है।कला के प्रथम क्षण के अंतिम सिरे पर उत्पन होती है उसकी गतिमानता शुरू हो जाती है।

2)**मूर्त प्रकृति**:-फंतासी अमूर्त्त रूप न होकर मूर्त रूप होती है।

3)**अनुभव की कन्या**:- मुक्तिबोध ने काव्य की रचना-प्रक्रिया की व्याख्या करते हुए फंतासी को अनुभव की कन्या कहा है। वह अनुभव से प्रसूत है इसलिए वह स्वतंत्र है ।

4)संवेदात्मक उद्देश्यता:- फंतासी में एक भावनात्मक उद्देश्य समाया रहता है।फंतासी कोरी कल्पना नही है। इसमे उद्देश्य की सार्थकता निरंतर बनी रहती है क्योंकि इसका व्यक्तित्व स्वतंत्र रहता है।

5)कलात्मक सार्थकता:- फंतासी संप्रेषण में बाधा अवश्य बनती है-ऐसा मुक्तिबोध मानते है-लेकिन ऐसा नही है की वह जीवन मूल्यों को बदल देती है।वह आम जनता का साहित्य भले न बन पाए पर होती जनता के लिए ही है।फंतासी की कलात्मक सार्थकता ऐसी में है की वह जनता की रुचियों को संस्कारित करती है ।

6)भाववादी शिल्प:- फंतासी भाववादी शिल्प है क्योंकि इसमे कल्पना,मिथ्याबोध,आभास,इंद्रिय-जनित ज्ञान भयानक्ता प्रेतद्वया जैसे भाव तत्व मिले रहती है।फेंटेंसी के अंर्तगत भाव पक्ष प्रधान होकर विभाव पक्ष मात्र सूचित होता है।मात्र ध्वनित होता है अथवा केवल प्रतीकों में प्रकट होता है ।

8209837844

www.ugc-net.com

(कालिजुंग द्वारा बताए गए है)

फंतासी के प्रकार

- क्रियाशील(सक्रिय)फंतासी
- निष्क्रिय फंतासी

- **सक्रिय फंतासी** में अंतर्ज्ञान विलुप्त नही होता ।रचनाकार का जीवानानुभव रचना में सम्मिलित हो जाता है।
- **मुक्तिबोध** सक्रिय फंतासी के अनूठे कलाकार है।
- **निष्क्रिय फंतासी** में स्वायत सता का अभाव होता है।अंतर्ज्ञान लुप्त हो जाता है। जैसे - जब दुर्बल मनुष्य पहलवान होने की कल्पना करता है तो वह निष्क्रिय फंतासी ही कहलाएगी। अर्थात व्यक्ति की दमित इच्छाओ को कल्पना में फुलित करना निष्क्रिय फंतासी है।

8209837844

फंतासी की उपयोगिता

www.ugc-net.com

*फंतासी अंतर्जगत और बाह्य-जगत को समेटने में समर्थ है।
*सामाजिक परिवेश के जो पक्ष बाकी विधाओ में पूर्णतया चित्रित नही हो पाते उन्हे फंतासी में सहज ही अभिव्यक्ति मिल जाती है।
*सामाजिक परिवेश के जो पक्ष बाकी विधामे पूर्णतया चित्रित नही हो पाते उन्हें फंतासी में सहज ही अभिव्यक्ति मिल जाती है।
*चमत्कार- शैली काव्य का अंग है और फंतासी तकनीक इसके लिए अति उपयुक्त है।चमत्कार शैली में कल्पना को याथार्थ की ठोस जमीन प्रदान की जाती है।
*फंतासी समाज की विसंगगतियों और मूल्य-संक्रमणता का चित्रण बखूबी कर सकती है।
*फंतासी शिल्प बाकी सभी शिल्पों की अपेक्षा विषयवस्तु पर अधिक पकड़ रखता है।इस शिल्प का जानकार साहित्य जगत का अग्रणी बनने की क्षमता रखता है।

डॉ० धनंजय :- (राष्ट्रवाणी के दिसम्बर 1969 के अंक में "फंतासी की सोद्देश्यता" पर प्रकाश डालते हुए लिखा)

"फंतासी का सर्वप्रमुख उद्देश्य है -भयानक तथा कटु-सत्य के प्रति यथार्थपरक दृष्टिकोण के द्वारा व्यंग्य की तीखी तिलमिला देने वाली चोटो से अंतर्मन को जागरूक एवं आहत करना ।क्योंकि फंतासी का प्रयोग विस्तृत फलक पर किया जाता है।अतः वह छिपे हुए सत्यों को समस्त संभावित शक्तियों से उथाड़ने तथा भ्रष्ट व्यस्था पर प्रहार करने में पूर्णत: समर्थ होती है।"*फंतासी एकांगी न होकर सर्वांगी है तथा वृद्ध जीवन की विश्वसनीय व्याख्या है जिसकी उपयोगिता दुरुह सामजिकता को अपने पहल पर उतार लेने की सक्षमता में निहित है।

प्रश्न :- मुक्तिबोध के किन रचनाओं में फंतासी देखने को मिलता है?

धन्यवाद....

For More Information

8209837844

www.ugc-net.com

/Fillerform /Fillerform /Fillerform

info@fillerform.com